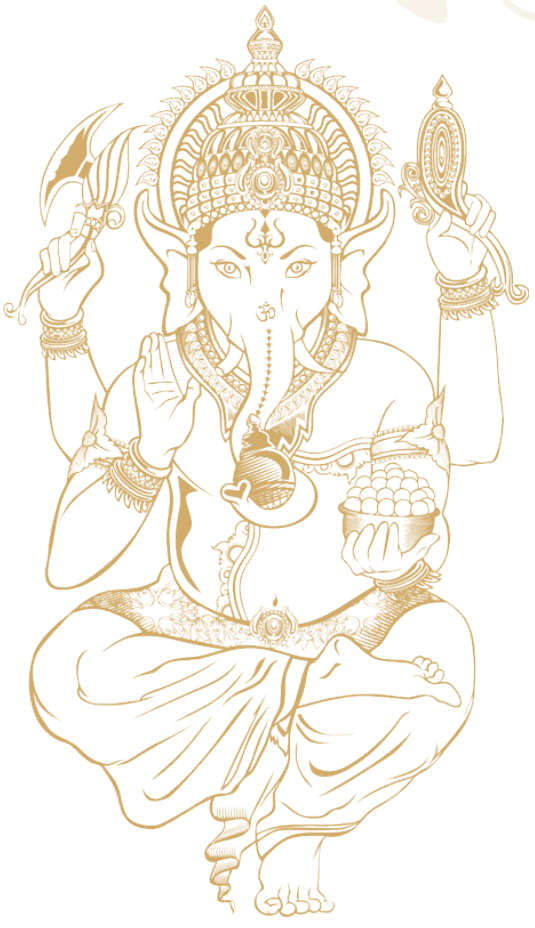

Partik

21 Jul 2017

12:15 PM

Nagaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121924506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/07/2017**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:15:00 घंटे**
इष्ट	15:54:23 घटी
स्थान	**Nagaur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:12:00 उत्तर
रेखांश	73:44:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:35:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:39:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	07:36:51 घंटे
सूर्योदय	05:53:14 घंटे
सूर्यास्त	19:29:18 घंटे
दिनमान	13:36:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	04:36:24 कर्क
लग्न के अंश	27:23:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की-किशोर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	27:23:55	318:10:21	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	---
सूर्य			कर्क	04:36:24	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	05:01:33	14:55:45	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
मंगल		अ	कर्क	06:23:45	00:38:44	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			सिंह	00:06:18	01:19:16	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	21:34:17	00:06:44	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	24:04:09	01:08:05	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	स्वराशि
शनि	व		वृश्चि	28:02:04	00:03:05	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	00:17:20	00:03:23	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	00:17:20	00:03:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:21:28	00:00:38	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	19:51:10	00:01:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	23:45:24	00:01:27	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			मिथु	28:19:08	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:59

लग्न-चलित

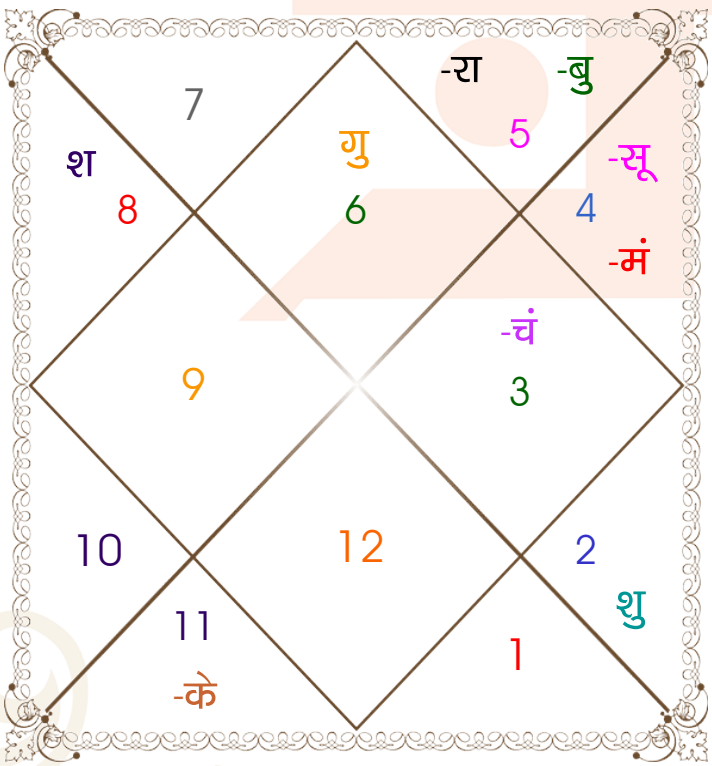

चन्द्र कुंडली

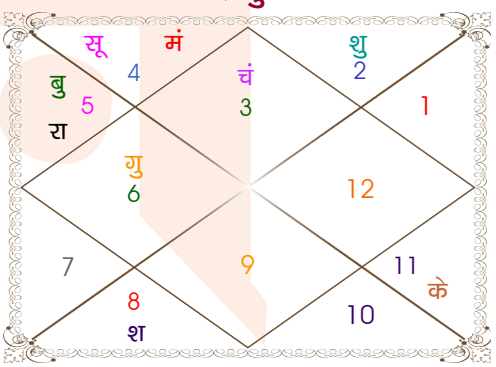

नवमांश कुंडली

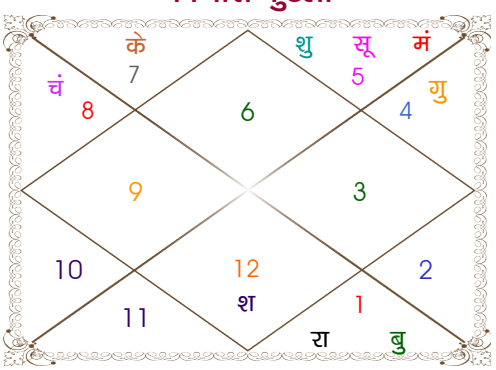

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 10 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
21/07/2017		01/06/2018		31/05/2036		31/05/2052		01/06/2071	
01/06/2018		31/05/2036		31/05/2052		01/06/2071		31/05/2088	
	00/00/0000	राहु	11/02/2021	गुरु	19/07/2038	शनि	04/06/2055	बुध	28/10/2073
	00/00/0000	गुरु	07/07/2023	शनि	30/01/2041	बुध	11/02/2058	केतु	25/10/2074
	00/00/0000	शनि	13/05/2026	बुध	08/05/2043	केतु	23/03/2059	शुक्र	25/08/2077
	00/00/0000	बुध	30/11/2028	केतु	12/04/2044	शुक्र	23/05/2062	सूर्य	01/07/2078
	00/00/0000	केतु	18/12/2029	शुक्र	12/12/2046	सूर्य	05/05/2063	चंद्र	01/12/2079
	00/00/0000	शुक्र	18/12/2032	सूर्य	01/10/2047	चंद्र	03/12/2064	मंगल	27/11/2080
	21/07/2017	सूर्य	12/11/2033	चंद्र	30/01/2049	मंगल	12/01/2066	राहु	16/06/2083
सूर्य	31/10/2017	चंद्र	14/05/2035	मंगल	06/01/2050	राहु	18/11/2068	गुरु	21/09/2085
चंद्र	01/06/2018	मंगल	31/05/2036	राहु	31/05/2052	गुरु	01/06/2071	शनि	31/05/2088

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/05/2088		01/06/2095		02/06/2115		01/06/2121		02/06/2131	
01/06/2095		02/06/2115		01/06/2121		02/06/2131		00/00/0000	
केतु	27/10/2088	शुक्र	30/09/2098	सूर्य	19/09/2115	चंद्र	02/04/2122	मंगल	29/10/2131
शुक्र	27/12/2089	सूर्य	01/10/2099	चंद्र	20/03/2116	मंगल	01/11/2122	राहु	16/11/2132
सूर्य	04/05/2090	चंद्र	01/06/2101	मंगल	26/07/2116	राहु	02/05/2124	गुरु	22/10/2133
चंद्र	03/12/2090	मंगल	02/08/2102	राहु	20/06/2117	गुरु	01/09/2125	शनि	01/12/2134
मंगल	01/05/2091	राहु	01/08/2105	गुरु	08/04/2118	शनि	02/04/2127	बुध	29/11/2135
राहु	19/05/2092	गुरु	01/04/2108	शनि	21/03/2119	बुध	31/08/2128	केतु	26/04/2136
गुरु	25/04/2093	शनि	02/06/2111	बुध	25/01/2120	केतु	02/04/2129	शुक्र	26/06/2137
शनि	04/06/2094	बुध	02/04/2114	केतु	01/06/2120	शुक्र	01/12/2130	सूर्य	22/07/2137
बुध	01/06/2095	केतु	02/06/2115	शुक्र	01/06/2121	सूर्य	02/06/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी है। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वालें प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रुचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।